वित्तीय वर्ष 2025–26 की ए0आई0पी0 अन्तर्गत गोबर धन परियोजना अन्तर्गत बायोगैस प्लान्ट का रखरखाव/संचालन/चेलेंज का संक्षिप्त विवरण

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 अन्तर्गत ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन हेतु ठोस अपशिष्ट के उचित निस्तारण से ग्राम पंचायत की स्वयं की आय सृजित करने के उद्देश्य को ध्यान में रखकर विकासखण्ड–डकोर की ग्राम पंचायत मोहाना में स्थित गौशाला में 45 क्यूबिक मीटर क्षमता के फ्लॉटिंग डॉम गोबर गैस प्लान्ट की स्थापना की गयी। गौशाला में लगभग 250 गौवंश संरक्षित है, जिसके सापेक्ष 100 गौवंशों से लगभग 900–1000 किलोग्राम गोबर का प्रतिदिवस उपयोग कर स्थापित प्लान्ट द्वारा उत्सर्जित गैस से 05के0वी0ए0 के जेनरेटर से प्रतिदिवस प्रातः तीन घण्टे एवं सायंकाल तीन घण्टें गौशाला में गौवंशों हेतु हरे चारे की उपलब्धता हेतु कटिया मशीन से हरे चारे की कटाई, पेयजल की सुविधा हेतु समर्सिबल एवं सम्पूर्ण गौशाला परिसर हेतु प्रकाश व्यवस्था के साथ–साथ लगभग 195 किलोग्राम प्रतिदिन जैविक खाद प्राप्त की जा रही है, जिससे ग्राम पंचायत द्वारा प्रतिमाह गौशाला संचालन में व्यय होने वाली लगभग 10–15 हजार रू0 तक की बचत की जा रही है।

गांवों में पूर्णता दृश्यमान स्वच्छता के उद्देश्य की पूर्ति हेतु मानव मल के साथ–साथ मवेशियों से उत्पन्न अपशिष्ट (गोबर) का निस्तारण किया जाना भी परम आवश्यक है जिसके लिए वर्तमन में ग्राम पंचायत/ग्राम स्तर पर अत्यधिक मात्रा में व्याप्त गोबर के उचित प्रबन्धन हेतु संचालित स्थाई/अस्थाई गौ–आश्रय स्थलों के पशुओं, मवेशियों से उत्पन्न गोबर के निस्तारण हेतु खाद् गड्ढों का निर्माण तथा गोबरधन योजनान्तर्गत बायोगैस प्लान्ट की स्थापना कराकर अपशिष्ट निस्तारण के साथ ही इस प्रदूषण रहित संयंत्र से विद्युत ऊर्जा प्राप्त कर गौशालाओं में प्रकाश व्यवस्था, प्राप्त गैस से प्रतिदिवस भोजन पकाने की व्यवस्था, समर्सिबल का संचालन, कृषि उपयोग में कीटनाशक के रूप में प्रयोग, प्राप्त स्लरी से कृषि की उर्वरकता तथा उत्पादन में वृद्धि, 1–2 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराने तथा आकांक्षात्मक रूप से ग्राम पंचायत की आय में वृद्धि इत्यादि लाभ प्राप्त किये जा रहे हैं। पशुओं के गोबर का घरेलू स्तर पर निस्तारण हेतु खाद् गड्ढे का निर्माण एवं बायोगैस प्लान्ट से प्राप्त होने वाली गैस के सार्थक उपयोग हेतु ग्रामीणों को प्रेरित कर जागरूकता हेतु प्रचार–प्रसार गतिविधियों को भी अनवरत् रूप से सम्पादित किया जा रहा है।

स्थापित बॉयोगैस प्लान्ट प्रमुख रूप से स्लरी को ग्रामों के कृषकों के लिये बेचा जा रहा है तथा गैस का उपयोग गौशालाओं में प्रकाश व्यवस्था, प्राप्त गैस से प्रतिदिवस भोजन पकाने की व्यवस्था, समर्सिबल का संचालन आदि में किया जा रहा है। नियमित संचालन/देखरेख के लिये आपरेटर की आवश्यकता होगी तथा ग्राम पंचायत/विकासखण्ड स्तर से नियमित मॉनिटरिंग की आवश्यकता होगी।